भगत तेरा निशान लेकर आये | By Atul Pareek

फाल्कुन की रुत है आई
भक्तों के मन में छायी
बाबा की याद है आई
मन हो गया खाटू का
भगत तेरा निशाना लेकर आये
निशान तेरा मलमल का

टिकते नहीं है ज़मीं पे मेरे बाँव रे
अच्छा नहीं लागे अब घर गली गाँव रे
जबसे खाटू धाम गया हूँ चैन नहीं पल का

रींगस के रास्ते में उड़ता गुलाल है
भक्तों संग टोलियों में भजनो का साथ है
फागुन के मेले में मेरा सांवरा भी लाल है

खाटू में पहुँचते ही दिखता तोरण द्वार है
अतुल ये सपना तूने कर दिया साकार है
पग पग पर ये साथ चला है रास्ता दिखाता

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%97%e0%a4%a4-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b6%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%87-by-atul-pareek/